S-359

Total Pages : 2 Roll No. .....

DVS-104

वास्तु में विभिन्न साधन एवं अन्य विचार

Diploma in Vastu Shashtra (DVS)

1st Year Examination, 2022 (Dec.)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 100**

नोट : यह प्रश्नपत्र सौ (100) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)
(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×26=52)

1. दैर्ध्य-विस्तृति के आधार पर सेनापति गृहों के भेद बताएं।

2. आय क्या है, सोदाहरण आय साधन कीजिए।

3. पृष्ठ भाग के अनुसार त्याज्य भूमि का विस्तारपूर्वक उल्लेख कीजिए।

4. वास्तु पद से क्या अभिप्राय है, विस्तृत व्याख्या कीजिए।

5. गृहायु से क्या तात्पर्य है तथा गृह पिण्ड द्वारा गृह आयु का ज्ञान कैसे किया जाता है?

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×12=48)

1. दशा का स्वरूप व भेद लिखिए।

2. द्वार का प्रयोजन एवं स्थापन मुहूर्त का महत्त्व क्या है?

3. द्वार भेद का वर्णन कीजिए।

4. सपरिहार भूमि दोष बताएं।

5. प्रशस्त गृहारम्भ में ग्राह्य तिथि-वार-नक्षत्र कौन-कौन से हैं।

6. गृहदोष से क्या तात्पर्य है उदाहरण सहित लिखिए।

7. गृहदशा पर टिप्पणी लिखिए।

8. नागपृष्ठभूमि के लक्षण बताएं।